सही बातें
सोच

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक
समर्पण समूह
जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज

सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें सोच

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर

मो. 98260-14047

पुण्यार्जक परिवार

श्री राजेंद्रकुमार, डॉ. आशीषकुमार, डॉ. अभिषेककुमार अथर्व कुमार, आदि कुमार जैन एवं परिवार
विदिशा (म.प्र.)

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने ''सही बातें''** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
सोच

सज्जन कभी
सज्जनता नहीं छोड़ते हैं,
और
दुर्जन अगर
दिखे भी सज्जन
तो भी सज्जन नहीं होते
दुर्जन ही होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

सफलता का पैमाना
आपकी डिग्रियाँ नहीं
आपकी सोच है,
डिग्रियाँ तो
खरीदी भी जा सकती हैं ;
परन्तु
सोच खरीदी नहीं जाती
स्वयं बनाई जाती है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

हारने पर
हार को भूलकर
उस दिन की याद करें
जिस दिन आप जीते थे,
ऐसा करने से
आपका दर्द कम होगा
और
आप पुनः जीतने के लिये
तैयार हो सकेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

उत्साह बढ़ाना
हर किसी के बस की बात नहीं,
उत्साह वो ही बढ़ा पाते हैं ;
जो महान होते हैं
या फिर
जो महान बनने वाले होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अकसर आपके संबंध
आपकी इच्छाओं के कारण टूटते हैं,
संबंध बचाने के लिये
इच्छाओं को दबायें
संबंधियों को नहीं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अपने अंदर
दूरदर्शता को विकसित करें,
यह एक ऐसा गुण है
जिससे आप
अपने वर्तमान के साथ-साथ
भविष्य को भी
विकसित कर सकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अवसरों को पहचानना भी
एक बहुत बड़ी कला है,
किस अवसर को पकड़ना है
और
किसे छोड़ना है
सफल जीवन के लिये
इसका अभ्यास जरूर करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आप
कितने लोगों पर विश्वास करते हैं,
इससे महत्त्वपूर्ण यह है कि–
आप पर
कितने लोग विश्वास करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

चिंतामुक्त होने के लिये
हसमुख रहिये
या फिर
हसमुख लोगों से जुड़िये
जब आप
चिंता को स्थान ही नहीं देंगे
तो भला वह रुकेगी कैसे ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जीत के लिये
उत्साह वर्धक किताबें पढ़ें
अथवा
उत्साह वर्धक विचारों को स्थान दें,
उत्साह जीत के लिये
उतना ही आवश्यक है
जितना कि वृक्ष के लिये बीज...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जीवन से
नकारात्मक सोच को निकालने से
आप आराम महसूस करेंगे
और
स्वयं एक
ऐसी नवीन ऊर्जा को
अपने अंदर महसूस करेंगे,
जो जीवन को सकारात्मकता देगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आपका मन
पाप में जल्दी
और
पुण्य में बहुत देर से जाता है,
फिर भी देर से सही
मन को
पुण्य में ही ले जाइये
पाप में नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जिन माता-पिता ने तुम्हारे लिये
अपनी ज़िंदगी का
हर एक पल दिया हो,
उनके लिये तुम्हें
कम से कम
दिन भर में ;
एक पल तो देना ही चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अगर आप
सच्चे मित्र हैं
तो अपने मित्रों के सामने
तनाव होने पर भी
मुस्कुराते रहिये
और
उनका हौसला बढ़ाते रहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आप पुराण ग्रंथों को
पढ़ें या न पढ़ें,
मगर
उन ग्रंथों जैसा जीवन
अवश्य जियें,
क्योंकि पढ़ तो बहुत लोग लेते हैं
जीते कुछ ही हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अपनों से दूर होना
बड़ा कठिन काम है,
जैसे-जैसे आप
दूर होते जाते हैं
उनकी यादें बढ़ती जाती हैं
और
यादें बढ़ते ही
उनकी दूरियाँ घटती जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

बचपन में इंसान
रहता है मालामाल,
परन्तु
बड़े होते ही
वह हो जाता है कंगाल;
क्योंकि
बड़े होते ही मिल जाता है
विषयों का जंजाल ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

कमाई हुई संपत्ति को
आप भोग लें
यह जरूरी नहीं है,
भोगी हुई संपत्ति को
आपने कमाया हो
यह भी जरूरी नहीं है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आज भी हम
अपनों की ऐसी हज़ारों बातों से
अपरिचित हैं
जो उनमें मौजूद हैं ;
शायद
ये हमारे ही नज़रिये की
कमी रही होगी ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जिनके भी अंदर
बड़े बनने का सपना है,
मेरा उनसे कहना है कि
बड़े बनने के बाद
किसी एक छोटे को
बड़ा बनने में मदद जरूर करना,
तभी आप बड़े कहलाओगे ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अपनी प्रतिभा को
अंदर ही अंदर निखारें
फिर बाहर निकालें,
क्योंकि
निखारे बिना
निकाली गई प्रतिभा
निष्फल हो जाती है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

एक पल की खुशी के लिये
उनसे मत जुड़िये
जिनसे आपका पतन हो सकता है,
एक पल की खुशी के लिये
जीवन भर का गम सहना
समझदारी नहीं
नासमझी ही है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अकेले में किया गया अभ्यास ही
आपको
जीत का दावेदार बनाता है
और
अभ्यास में
एकत्रित एकाग्रता
आपको जीत दिलाती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आपके पास
भले ही कम चीज़ें हों
पर
वे उपयोगी होना चाहिये,
अनुपयोगी चीज़ें
आपके उपयोग को बिगाड़ देती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

कुछ लोग
बुराई करने को ही मानते हैं
जीवन जीने का
सबसे बेहतर तरीका,
लेकिन
मैं मानता हूँ
नीचे गिरने का
इससे बेहतर तरीका
कोई और नहीं है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

लोग
अपने विकारों को ढँकने के लिये
कपड़े पहनते हैं ;
इसीलिये
कपड़ों की जरूरत
शरीर को नहीं
मन को होती है ;
क्योंकि
विकार शरीर में नहीं
मन में होते हैं
शरीर को उसे प्रकट करता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

चिंता का समाधान
जितना शीघ्र हो सके
उतना शीघ्र करें,
चिंता अगर
ज्यादा समय तक रहेगी
तो वह आपकी
चिता का कारण बनेगी ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

हीन भावना को रोकने के लिये
कभी–कभी
स्वयं ही
स्वयं की प्रशंसा करें,
ताकि मनोबल न घटे
और
आत्मबल बढ़ता रहे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जो लोग
अच्छा पढते हैं
अच्छा सोचते हैं,
वो ही
अच्छा बोल पाते हैं ;
क्योंकि
जैसा बीज होता है
फल भी वैसा ही होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

पहचान बनाना सरल है
उसे बनाये रखना कठिन है,
पहचान बनते ही
लोग मान में
डूब जाते हैं और
मान में डूबते ही
पहचान मिटने लगती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

कद्र
कद की नहीं
किरदार की होती है,
कद तो
कई लोगों का बड़ा होता है
कद से तो
साया भी बड़ा होता है,
मगर
किरदार
कुछ ही लोगों का बड़ा होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

संघर्ष का समय
ऊपर उठने का समय है,
खुद को समझने का समय है,
खुद को निखारने का समय है,
संघर्ष का समय दुःख का नहीं
दुःखों से जीतने का समय है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जैसा हमने समझा हो
हमने पढ़ा हो,
चीजें वैसी ही हों
जरूरी नहीं है ;
क्योंकि
नज़रिया हर किसी का
अपना-अपना होता है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

कुछ लोग
इंतज़ार करते हैं
और
कुछ लोगों का
इंतज़ार किया जाता है,
जरा सोचिये
आप किस श्रेणी में आते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जिनके इरादे
नेक नहीं होते,
उनका आने वाला कल भी
नेक नहीं होता ;
न मानिये
तो थोड़ा इंतज़ार करें
आप सब समझ जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

पिता की बहुत सी बातें
बच्चे नापसंद करते हैं,
पर
पिता कुछ नहीं कहते;
क्योंकि
वे जानते हैं
पिता बनते ही
वे ही बच्चे
उन सब बातों को
पसंद करने लगेगें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

दुकानदारी
और
ईमानदारी
दोनों शब्द दिखते एक समान हैं,
लेकिन
दोनों कभी
एक साथ नहीं रहते ;
दोनों में छत्तीस का आँकड़ा है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

रिश्तों का
अजब ही दस्तूर है,
जो पहले किसी से
मिलने जाती थी
पिता से पूछकर,
उस बेटी को
आज पिता से
मिलना पड़ता है
किसी से पूछकर ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

चाहे समय
दुःख का हो या सुख का
संकटों का हो या झंझटों का
चेहरे पर हमेशा
खुशी रहना चाहिये,
ध्यान रखना...
दुःखी लोगों से
कुछ ही लोग जुड़ते हैं,
पर खुश लोगों से
सब लोग जुड़ते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जब भी आप
प्रभु के द्वार जायें
या
गुरु के चरण पायें,
एक ही फरियाद दोहरायें-
हे देव! मुझे अंधकार से
उजाले की ओर ले चलो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जुनून को बनाये रखने के लिये
मन की उड़ान को
कभी न रोकें,
मन की उड़ान रुक गई
तो जुनून भी रुक जायेगा
और सफलता भी ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अज्ञानी होना
अलग बात है
और
अपने को अज्ञानी मानना
अलग बात है,
अधिकतर लोग
अपने आपको
अज्ञानी समझने के ही कारण
अज्ञान में हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जिस चेहरे पर
कायरता निवास करती है,
उस चेहरे पर मक्खी भी बैठना
पसंद नहीं करती है ;
अब बताइये
जहाँ मक्खी भी नहीं बैठती
वहाँ सफलता और प्रसन्नता कैसे
रहेगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जिन्हें अपने
अपयश की चिंता होती है,
वे ही लोग
अपने कृत्यों पर
प्रतिपल दृष्टि रखते हैं ;
क्योंकि
अपयश से बड़ा दुःख
और
यश से बड़ा सुख
दुनिया में कहीं नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

सत्य को सुनना
अलग बात है
और
सत्य को गुनना
अलग बात है,
सत्य को
बहुत लोग सुन पाते हैं;
मगर
कुछ ही लोग गुन पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

हमारे भाव
सुई की तरह होते हैं,
अगर उसमें
क्षमा का धागा मिला दिया जाये
तो वो जोड़ने का काम करती है
खाली रहने पर चुभने का...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जिनके दिल में साधुता
और
मन में सरलता नहीं है
वो इस धरती पर भारभूत हैं ;
ऐसे लोग
ज़िंदा होने पर भी मरे के समान हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जो लोग
दूसरों की मदद नहीं करते हैं,
वो मुसीबत में
अकेले खड़े मिलते हैं;
क्योंकि
मुसीबतों में
मित्र ही काम आते हैं
और मित्र
मदद करने से ही बन पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

बड़े आश्चर्य की बात है–
परेशान करने वाले का चेहरा
लोग आसानी से नहीं भूलते हैं
और
अहसान करने वाले का चेहरा
आसानी से भूल जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

किसी से भी
इतना मत घुलिये
कि आप उसके आदी बन जायें,
क्योंकि
दुनिया तो मतलबी होती है
और
आप बिन मतलब पिस जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अगर कोई आपसे जलता हो
तो उसके सामने
अवश्य मुस्कुराइये,
क्योंकि
आपकी मुस्कान से ज़्यादा जलन
उसे किसी भी चीज़ ने नहीं होती...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

खुश रहना सीखिये
परेशान रहना नहीं,
क्योंकि
परेशान रहने से
मुश्किलें नहीं जाती;
किन्तु
सुकून अवश्य चला जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आपके अंदर उत्पन्न हुई इच्छा
पूरी हो जायें
कोई नियम नहीं है,
इसीलिये
अपने अंदर इच्छा को नहीं
जुनून को उत्पन्न करें,
जुनून होगा
तो इच्छा भी पूरी हो जायेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जैसे
हवा और पानी
बिना भेदभाव के बहते हैं,
वैसे ही आप भी
बिना भेदभाव के जीवन जियें,
क्योंकि
भेदभाव से
दिलों में भेद हो जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अधिकारों के आने पर
अहंकार न आना
बहुत कठिन काम है,
जिसने यह
कठिन काम कर लिया
उसका अधिकार
सब पर चलता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जिन्हें
बड़ा अधिकारी बनना हो,
उन्हें
सेवा और त्याग अवश्य करना चाहिये
और
क्रोध और मान
कभी नहीं करना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

ज्ञान से आपके अंदर
आनंद भी बढ़ता है
और
योग्यता भी,
इन दोनों को
बचाये रखने के लिये
सतत अध्ययन आवश्यक है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

दोस्त
बहुत लोगों के होते हैं,
मगर दोस्ती
कुछ ही लोगों से होती है;
दोस्ती अंदर की बात है
और
दोस्त होना बाहर की...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

चाहे पीठ पीछे करें
या फिर सामने
निंदा कभी अच्छी नहीं होती,
चाहे पीठ पीछे करें
या फिर सामने
प्रशंसा कभी बुरी नहीं होती ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अनुभव रहित ज्ञान की कीमत
जड़ रहित वृक्ष के समान होती है,
जैसे
जड़ रहित वृक्ष की स्थिति
संभव नहीं ;
वैसे ही
अनुभव रहित ज्ञान की भी स्थिति
संभव नहीं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

सुख के दिन
दर्द छीन लेते हैं,
मगर
सुखिया बनाते हैं,
किन्तु
कष्ट के दिन दर्द तो देते हैं;
मगर
कुछ न कुछ सिखाकर जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

बुरे लोगों के विरोध की जगह
उनसे दूर होना
ज़्यादा अच्छा है
विरोध से उनको ताकत मिलेगी
और
दूर होने से
उनका महत्त्व कम होगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

इंसान को
कानून से ज़्यादा डर
अपमान का रहना चाहिये,
कानून
कुछ ही समय की सजा देता है;
मगर
अपमान
जीवन भर की सजा देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

मरण अच्छा है
मगर
अपमान अच्छा नहीं है,
मरण में व्यक्ति
एक बार मरता है
और
अपमान में व्यक्ति
पल-पल मरता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अगर कोई आपको धोखा देता है
या फिर
आपका अपमान करता है,
तो किसी को भी बताइये मत,
क्योंकि
लोग आपकी हसी तो करेंगे,
पर
दुःख को कम नहीं करेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आपके जीवन में
अच्छे अवसर बहुत कम आते हैं,
अगर
आप उन्हें खो देते हैं,
तो आपको जीवन भर
रोना पड़ सकता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

कोई भी अवसर
छोटा या बड़ा नहीं होता,
छोटे-छोटे अवसरों में भी
बड़ी-बड़ी सफलतायें
मिल सकती हैं,
बस आपको उस अवसर का
फायदा उठाना आना चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जीवन में
बुरे कामों के अवसर
बहुत ज़्यादा हैं
और
अच्छे कामों के अवसर
बहुत कम हैं,
इसीलिये
अच्छे कामों के अवसरों को
कभी मत छोड़िये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अगर आप
अपनी हर जीत से
असंतुष्ट रहते हैं,
तो आप एक दिन
असफल लोगों के साथ खड़े मिलेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

सफल व्यक्ति कभी भी
असफलता का विचार नहीं करते हैं,
क्योंकि
असफलता का विचार
बबूल के वृक्ष के समान होता है,
जिसमें कभी गुलाब नहीं खिलते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अगर आप जीवन भर
किसी महान उद्देश्य को लेकर जिये हैं,
तो निश्चित ही आपका उद्देश्य
आपको कभी मरने नहीं देगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

घमंडी व्यक्ति
अपने अच्छे कामों की
बातें करता है
और
दूसरों के बुरे कामों की,
ऐसा करने से
उसे शक्ति मिलती है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

बुरे वक्त में
कोई आपका साथ दें
तो आपको भी उसके बुरे वक्त में
साथ देना चाहिये,
क्योंकि
अहसान का बदला
अहसान है,
अहसान फरामोशी नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आप अगर
खुशहाल जीवन जीते हैं,
तो इसमें
आपके अपनों का भी फायदा है ;
क्योंकि
आपको खुशहाल देखकर
आपके अपने भी
खुशहाल हो जाते हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

रिश्ते फूलों की तरह होते हैं
न तो आप उन्हें तोड़ सकते हैं
न ही उन्हें छोड़ सकते हैं,
तोड़ेंगे
तो वे मुरझा जाते हैं
और
छोड़ेंगे
तो वे सड़ जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

ज़िंदगी बहुत छोटी है
इसे आप
दुःखी होकर भी जी सकते हैं
और
खुश होकर भी,
समझदारी
खुश होकर जीने में ही है,
फिर भी कुछ नासमझ लोग
बार-बार दुःखी होकर
इसे निकाल देते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जैसे
पहाड़ से निकली नदी
समुन्दर की दूरी नहीं पूछती,
वो तो सिर्फ बहती है
अपनी चाल में,
वैसे ही तुम भी
मत देखना दूरी मंजिल की ;
तुम तो देखना
अपने काम की चाल को ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

बहुत बचकर
ज़िंदगी को जीना चाहिये,
क्योंकि
खुश रहने के बहाने हज़ारों हैं
और
दुःखी रहने के बहाने करोड़ों हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

खाये गये जहर से
इंसान मरता है
और
सुने गये जहर से
रिश्ते मरते हैं,
सुनाये गये जहर की अपेक्षा
खिलाया गया जहर ज़्यादा अच्छा है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

हार के समय आप
पिता को याद करते हैं
और
दुःख के समय माँ को ;
लेकिन
माता-पिता आपको
हर पल याद करते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अपने जीवन में
अपनी जुबान में
एक शब्द जरूर उतारिये–
''जी जरूर''
ये शब्द आपको 'अच्छा'
और
रिश्तों को 'पक्का' बनायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

रिश्ते बनाये रखने के लिये
कमियों को नहीं
खूबियों को देखिये ;
क्योंकि
कमियाँ तो हर किसी में होती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

जब आप किसी को
जीवन देने की ताकत नहीं रखते हैं,
तो फिर
किसी के जीवन को लेना भी
आपका अधिकार नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

आचरण विहीन मनुष्य
पशु के तुल्य है,
क्योंकि
घर बनाना,
बच्चे पैदा करना,
पेट भरना,
ये तो पशु भी जानते हैं ;
एक आचरण ही ऐसा गुण है
जो मनुष्य को
पशु से भिन्न करता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

इच्छायें आपको बाँधकर रखती हैं,
इच्छाओं को छोड़कर
मेहनत पर जोर देना सीखिये ;
क्योंकि
मेहनत
आपकी इच्छायें पूरी करती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अपनी ही तस्वीर
मोबाईल में लगाते हो आप,
तभी तो दूसरों को
कुछ नहीं समझते हो आप...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

अब अगर रूठे हमसे
तो रूठे ही रहना,
अब हम मनाना
भूल चुके हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

तसल्ली से पढ़ा होता
तो समझ में आते हम,
कुछ पन्ने तुमने
बिना पढ़े ही पलट दिये होंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

समय ज्यादातर
जख्म ही देता है,
तभी तो घड़ी में हमेशा
काँटे ही लगे रहते हैं ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

किसी का वर्तमान
देखकर
उसका मज़ाक मत उड़ाना,
कोयले को धीरे-धीरे
हीरे में बदलते देखा हैं हमने ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
सोच

समय के साथ
हर कोई बदल जाता है,
गलती उसकी नहीं
जो बदल गया ;
गलती उसकी है
जो पहले जैसा रहा गया...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर